सिमडेगा 1074 500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

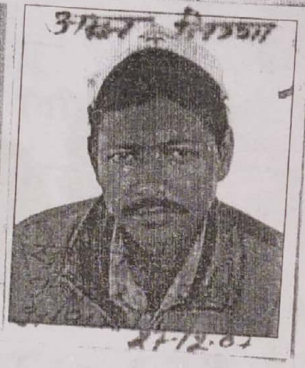

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

स्टाम्प 2900/-

(क) (1) 720=00

46 (1) P20 (ध)

2.50

0.94

3=44

723=44

27.12.07

1· लेखयकारी :- श्री मणीभूषण तिग्गा पेशा- नौकरी वो श्री अजीत तिग्गा पेशा- नौकरी वो श्री अमृत तिग्गा पेशा-ट्रैक्टर चालक तीनों पिता स्वर्गीय साईमन तिग्गा, जाति-उरांव, निवासी ग्राम-खिजरी गढ़ाटोली, थाना वो जिला-सिमडेगा, झारखण्ड शपथ पत्र संख्या :- 530, 531, 532 विक्रेतागण।

2· लेख्यधारी :- सुश्री विनिंग्ना टोप्पो पिता श्री अलफोंस टोप्पो, जाति-उरांव, पेशा- नौकरी निवासी ग्राम-तुमडेगी लेदन टोली, थाना वो जिला-सिमडेगा झारखण्ड , ·· ·· क्रेतिका भारतीय नागरिक ।
शपथ-पत्र संख्या :- 533 | 2007

3· लेख्यप्रकार :- बिक्रय-पत्र ।

4· मूल्य :- मोबलिग- 72000/= रू0 बहत्तर हजार रूपये जिसका आधा छतीस हजार रूपये अंके-36000/-रू0 होता है ।

5· सम्पति :- मौजा-खाजरी, गढ्ढा टोली, थाना/अंचल-सिमडेगा, जिला अवर निबंधन कार्यालय वो जिला-सिमडेगा, थाना नं0-105, हाल खाता संख्या-32 ¼बतीस¼ पलाट नं0-2402¼दो हजार चार सौ दो¼ रकबा 0·86 एकड़ में से 0·08¾ एकड़ ¼पौने नौ डिसमिल¼ दर्जा जमीन टांड़, आवासीय, मालगुजारी 0·10 रू0 अलावे सेस सलाना ।

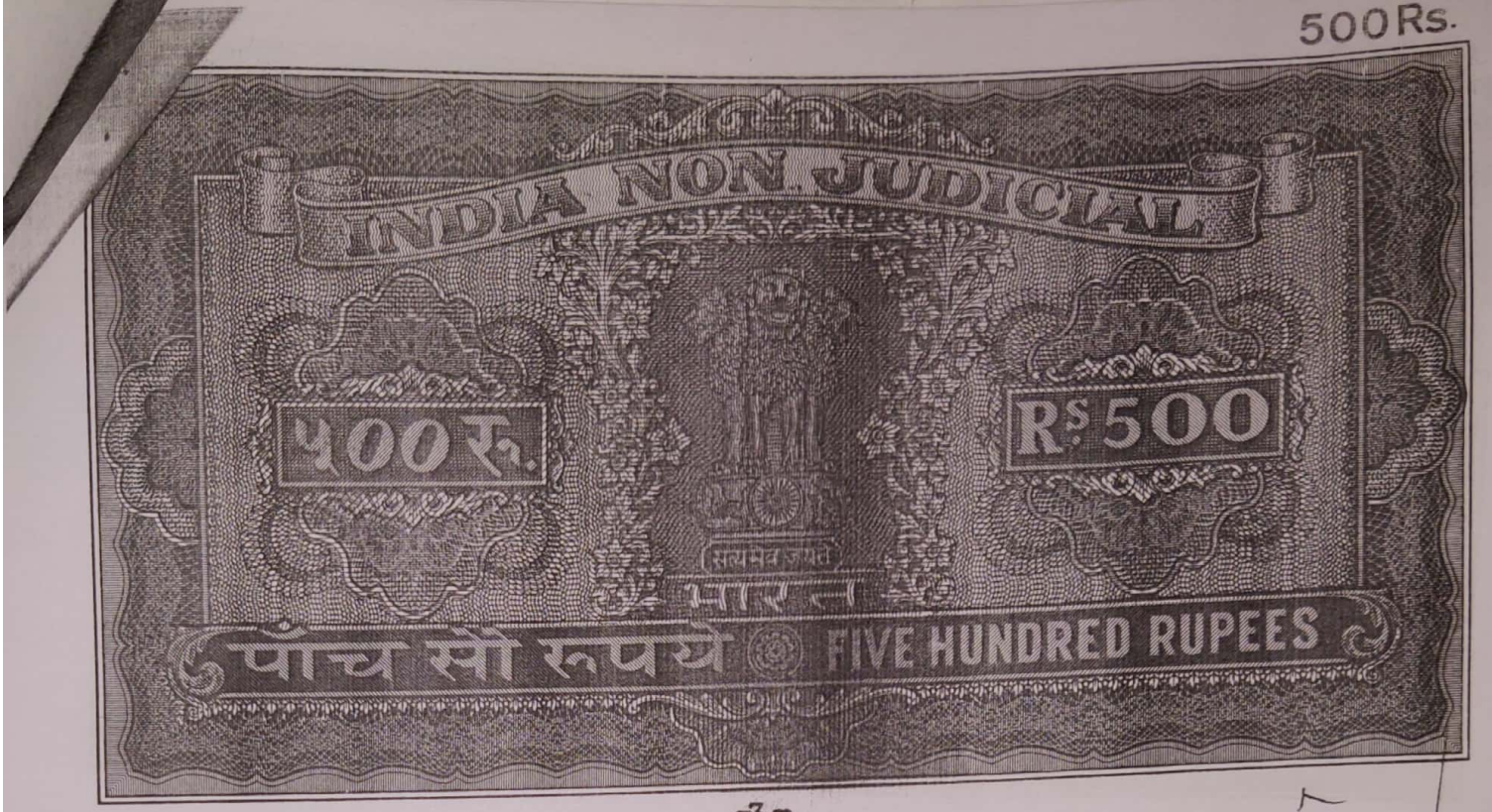

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु.   Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये   FIVE HUNDRED RUPEES

चौहद्दी :- उतर :- कच्ची सड़क

दक्षिण :- इसी पलाट का अंश नीज बिक्रेता का बारी ।

पूरब :- तारामनी साहु का मकान सहन ।

पश्चिम:- इसी पलाट का अंश नीज बिक्रेता का मकान बारी ।

(क) चूंकि हमलोगों के उपर बैंक का ऋण है ।कई कारणों से उसका किस्त नहीं चुका पाने के कारण ऋण का भार हमलोगों पर बढ़ता जा रहा है । तथा ऋण चुकाने के लिए इस समय रुपयों का कोई उपाय नहीं होने के कारण हमलोगों ने उपर्युक्त वर्णित सम्पति को लेख्यधारिणी से खरीद लेने का आग्रह किया, जिसे वे स्वीकार की ।

अत: हमलोगों ने छोटानागपूर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के अन्तर्गत उपर्युक्त वर्णित जमीन को लेख्यधारिणी से बेचने की अनुमति का आवेदन श्रीमान् अनुमण्डल पदाधिकारी सिमडेगा की अदालत में दिया तथा दिनांक-16·11·07 को अनुमति दिये जाने के आदेश पारित हुआ है जिसका राजस्व वाद संख्या-219/2006-07 दर्ज हुआ । और उसके आदेश की प्रति मेमो नं0 1095 दिनांक 18·12·07 के द्वारा निर्गत किया गया है ।

Scanned with CamScanner

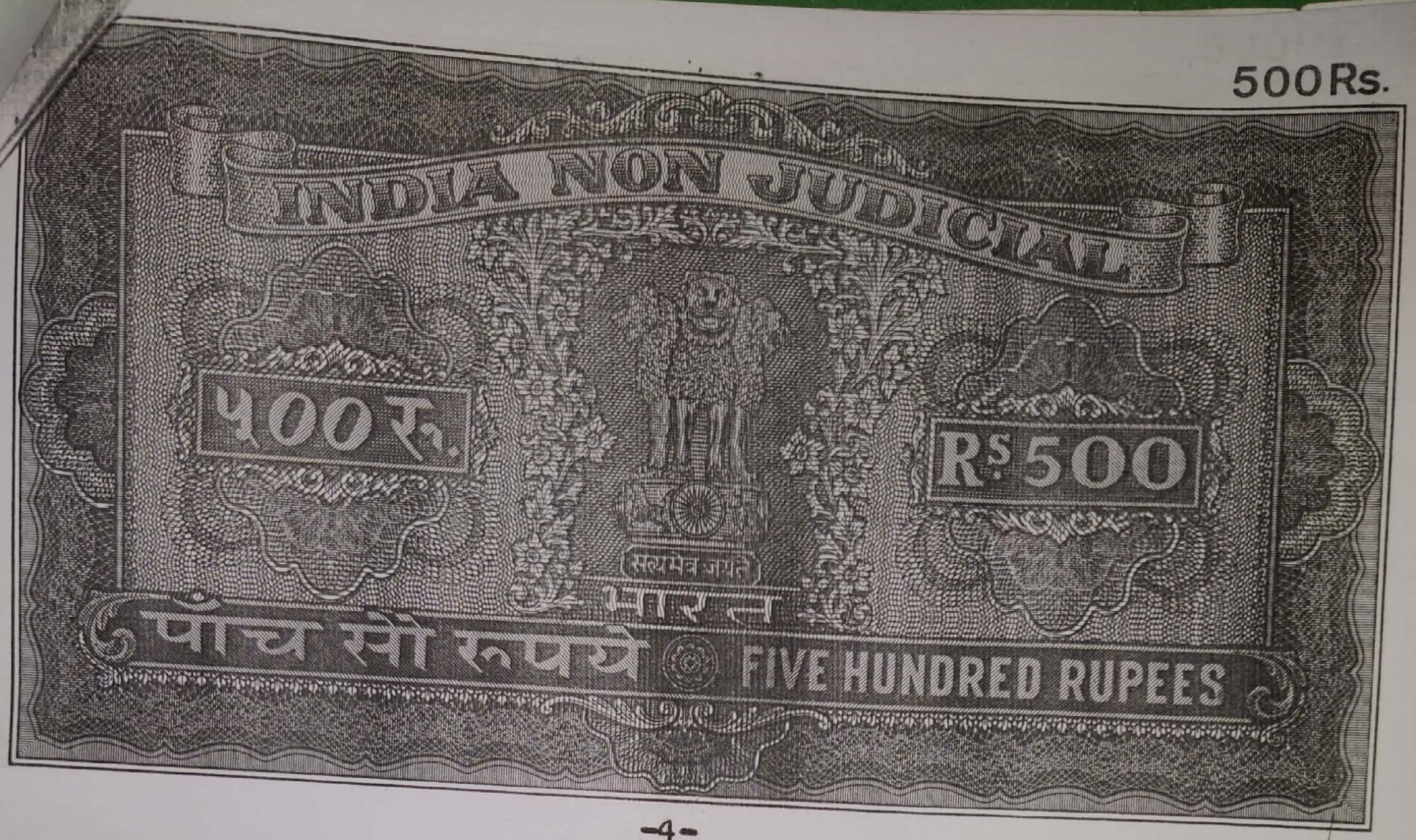

500Rs.

(छ) अत: हमलोगों ने अपने स्वेच्छा से शरीर और मन की स्वस्थता की हालत में उपर्युक्त वर्णित सम्पति का पूरा कीमत लेखयधारिणी से नगद चुकता पाकर बेच दिया । तथा इस सम्पति का पूर्ण अधिकार एवं स्वामित्व लेखयधारी को हस्तांतरित कर दिया । अब इस सम्पति पर हमारा न हमारे किसी भी उतराधिकारी का कोई अधिकार न रहा और न आईन्दे होगा ।

27-12-07

Amrit Tigga 27-12-07

Scanned with CamScanner

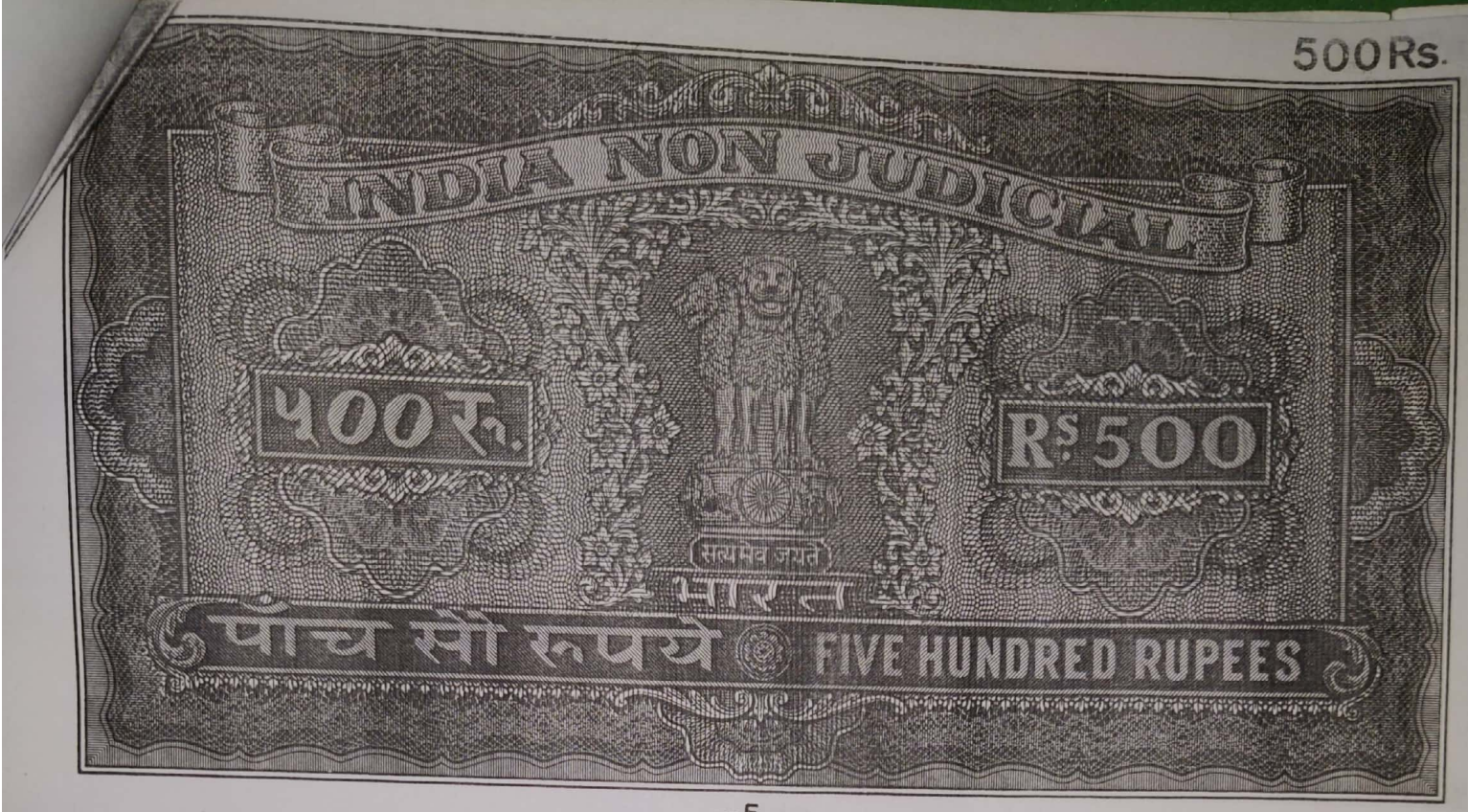

500Rs.

(ग) हमलोग यह भी घोषित करते हैं कि इस सम्पति पर हमारे पिता स्वर्गीय साईमन उर्फ सिमोन तिग्गा पिता स्वर्गीय पौलुश तिग्गा का हक दखल श्री पी0 कांडयांग कार्यपालक दण्डाधिकारी सह विशेष पदाधिकारी शिडयूल एरिया रेगुलेशन, सिमडेगा के द्वारा दिनांक-25·02·1982 को सम्पुष्ट किया गया है, जिसका एस0ए0आर0 वाद संख्या-100/1982 है । तथा मालगुजारी की रशीदें उनके नाम निर्गत होता आ रहा है । हमलोग यह भी घोषित करते हैं, कि यह सम्पीत मेरे पिता की मृत्यु उपरांत हमें उतराधिकारी के रूप में प्राप्त हुई है । इस सम्पीत पर हमारा निर्विवाद रूप से दखल-कब्जा चला आ रहा है। तथा इस पर किसी प्रकार का ऋण या भार नहीं है ।

27-12-07

27.12.07

Amrit Tigga 27-12-07

पेज नं0 6

(घ) लेखधारिणी को उपर्युक्त वर्णित सम्पति पर दखाल-कब्जा दे दिया है ।अब लेखधारी इसे जैसा चाहे अपने उपयोग में लावे और दाखिल-खारिज करवा कर मालगुजारी सरकार को दिया करें ।

इसलिए यह बिक्रय-पत्र दस्तावेज लिखा दिये कि समय पर काम आवे और प्रमाप रहे ।

Scanned with CamScanner

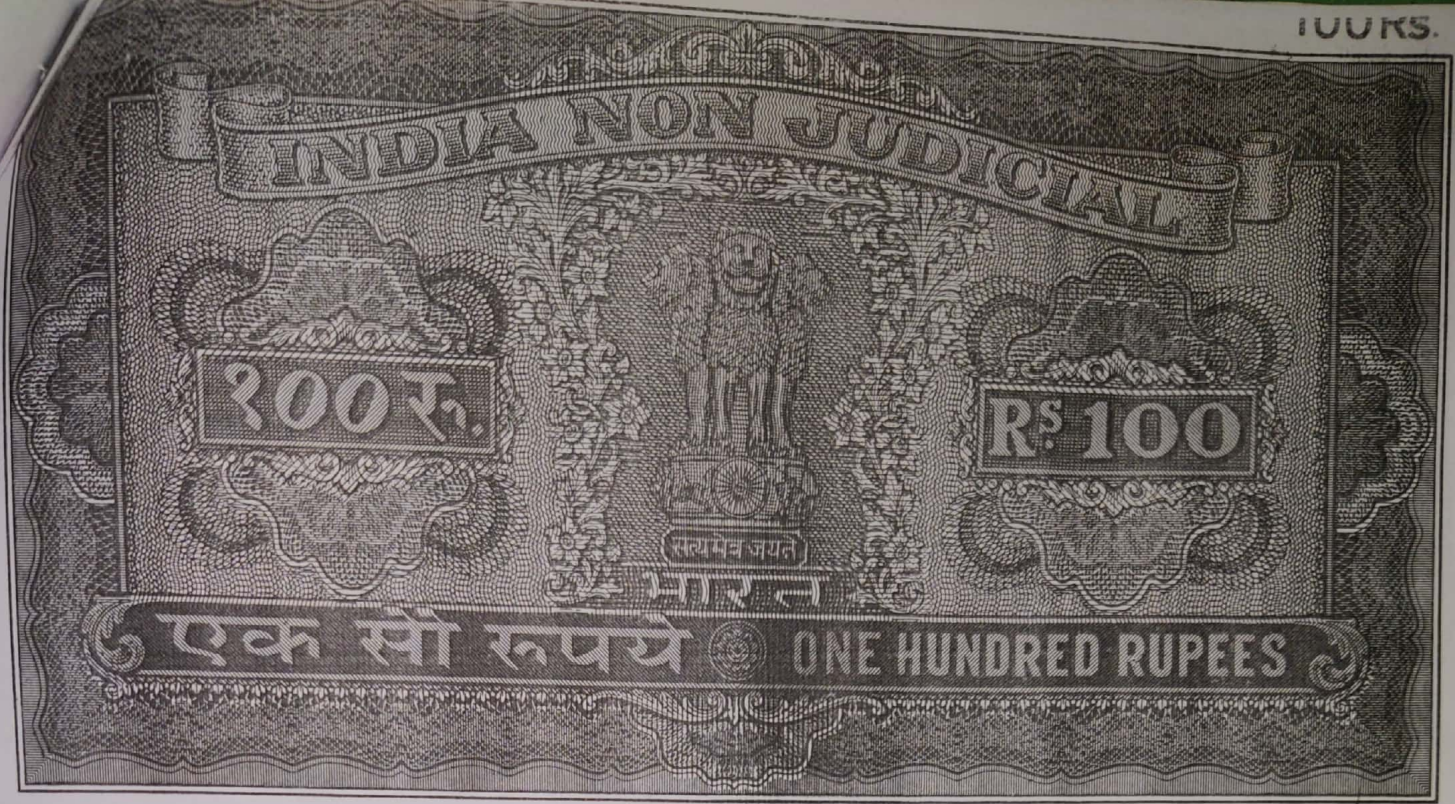

100RS.

INDIA NON JUDICIAL

भारत

२०० रु.

Rs 100

सत्यमेव जयते

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

-7-

लेख्यकारीगण :- हमलोग यह घोषित करते हैं कि हमारे हिस्से भूहदबंदी अधिनियम की सीमा निर्धारण से अधिक भूमि नहीं है। तथा इससे संबंधित कोई मामला हमारे विरूद्ध न्यायालय में लम्बित नहीं है।

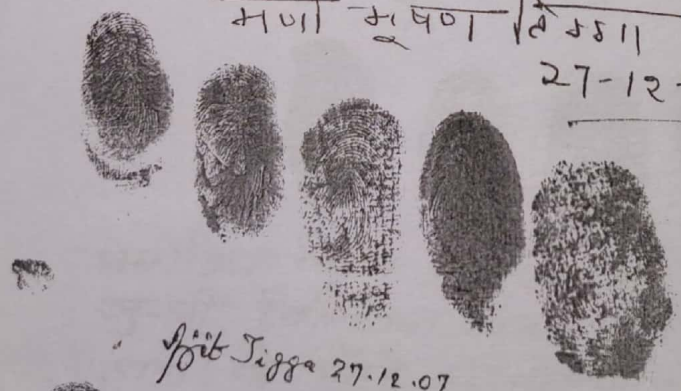

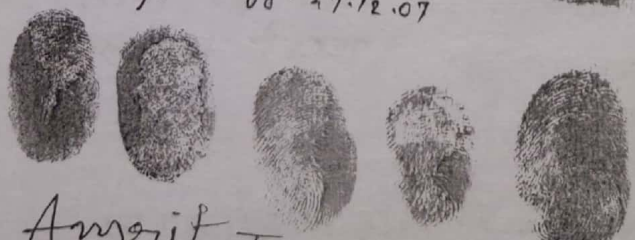

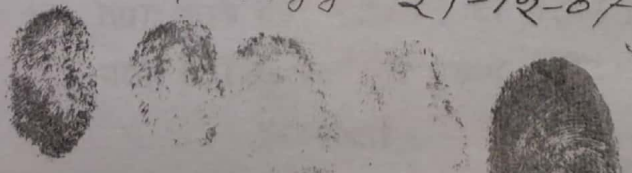

मणी भूषण तिग्गा
27-12-07

Ajit Tigga 27.12.07

Amrit Tigga 27-12-07

मणी भूषण तिग्गा 27-12-07
Ajit Tigga 27.12.07
Amrit Tigga 27-12-07

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारीगण श्री मणी भूषण तिग्गा वो श्री अजीत तिग्गा वो श्री अमृत तिग्गा ने अपने अपने बाऐं हाथ के पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष दिया। अजय कुमार

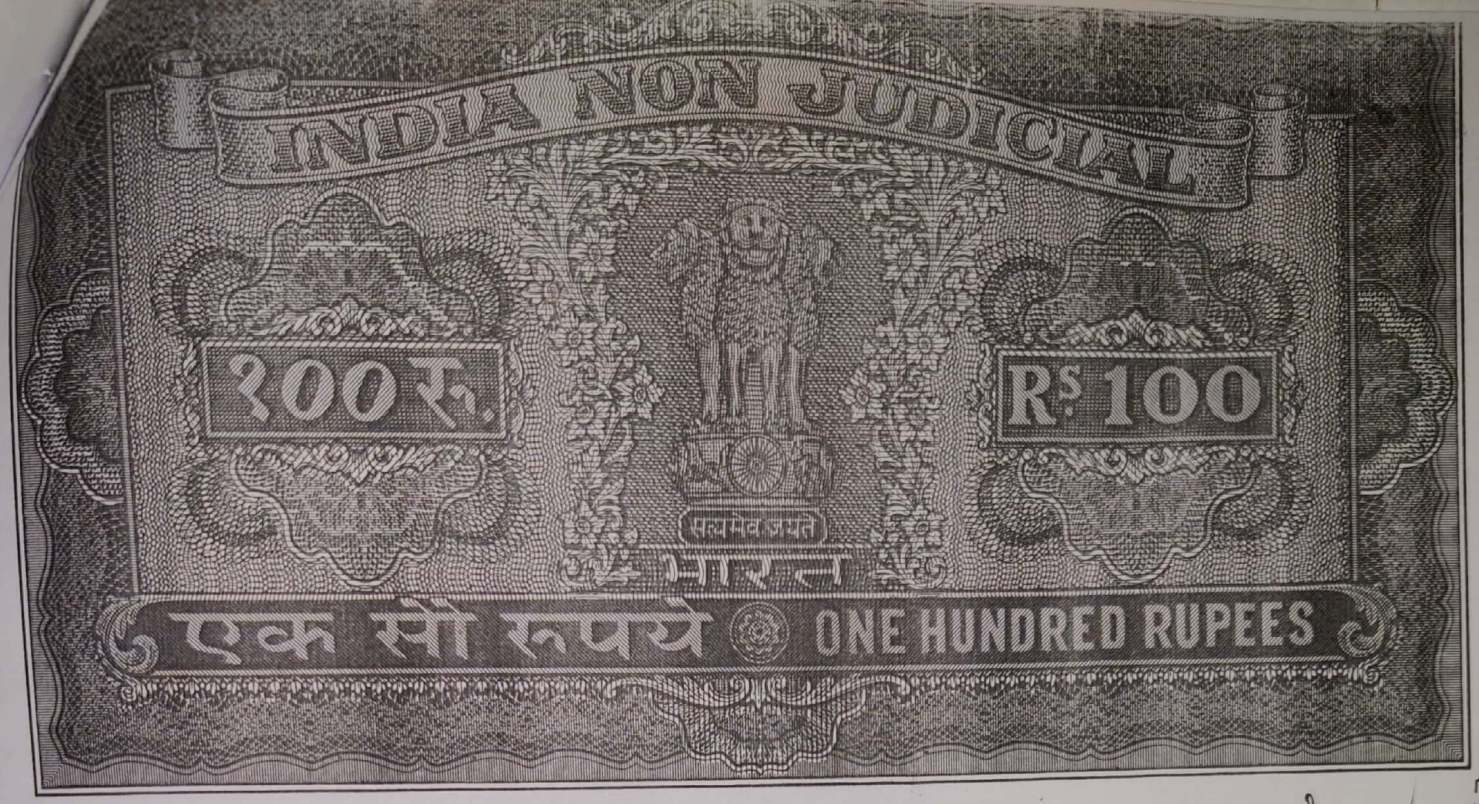

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

लेख्यधारिणी :- मैं यह घोषित करती हूं कि इस दस्तावेज के द्वारा प्राप्त भूमि के वाद भी हमारे हिस्से भू-हदबंदी अधिनियम की सीमा निर्धारण से अधिक भूमि नहीं है ।

बिनिंगना टोप्पो
27-12-07

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारिणी सुश्री बिनिंगना टोप्पो ने अपने बायें हाथ के पाँचो अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष दिया।

अजय कुमार
अधिवक्ता
27.12.07

स्मीता भूषण मिश्रा 27/12/07

Ajit Tigga 27.12.07

Amrit Tigga 27-12-07

इस दस्तावेज का प्रारूप मेरे द्वारा तैयार किया गया है। तथा इसके सभी पक्षकारों को पढ़कर सुना वो समझा दिया गया है, जिसे स्वयं भी पढ़कर स्वीकार किये कि सही है ।

प्रारूपकर्ता- अजय कुमार
अधिवक्ता
27.12.07

Scanned with CamScanner

इस दस्तावेज में कुल 9 पन्नों पर मेरे द्वारा कुल 727 शब्द टंकित किये गये हैं । जो खाण्डन रहित है। तथा नक्शा संलग्न है,जो इस दस्तावेज का अंश है ।

मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति दोनों एक दूसरे के हुबहू एवं सच्ची प्रतिलिपि है ।

देवनिस बाड़ा
टंक :- 27.12.07

॥ देवनिस बाड़ा ॥
सिमडेगा कोर्ट, सिमडेगा ।

वाजे रहे कि इस दस्तावेज में " का आवेदन" टाईप करने में छुट जाने के कारण पृष्ट संख्या-3 के सोलहवें लाईन में तीर का निशान टाईप कर उसके ऊपर "का आवेदन"टंकित किया गया है,जो सही है ।

27-12-07

Fijit Tigga 27.12.07
Amrit Tigga 27-12-07